SHRI LAL BAHADUR SHASTRI DEGREE COLLEGE GONDA

संयोजक

डा० (श्रीमती) अमन चन्द्रा

प्राचार्य

(प्रो० रवीन्द्र कुमार)

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 08 मार्च 2022 के अवसर पर दिनांक 05 से 11 मार्च तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम–

दिनांक	कार्यक्रम	विवरण
05 और 06 मार्च	**ब्रेक द वायस**	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ब्रेक द वायस इवेन्ट का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत नगर की ऐसी अनेक महिलाओं से मिलकर उनके अनुभवों को साझा किया गया जिन्होंने समाज की रुढ़ियों एवं संकीर्ण मनोवृत्ति से संघर्ष करते हुए सफलतापूर्वक आगे बढ़ी और बढ़ रही है। ये महिलायें गावों और कस्बो में अन्य महिलाओं के लिये प्रेरणास्त्रोत है। ये महिलायों को स्वतंत्रवृत्ति से जीवनयापन करने हेतु प्रेरित कर रही है। #BreakTheBias @UPMahilaKalyan
दिनांक 07 मार्च	**वुमेन ऑफ टूमारो**	इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण एंव शहरी क्षेत्रों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी आदि के स्तर पर 'वुमेन ऑफ टूमारो' गतिविधि के अन्तर्गत महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा महिलाओं से सम्पर्क करके उन्हें जागरुक किया गया। उनकी समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए उसके समाधान का प्रयास किया गया।

08 मार्च	**अनंता**	अन्तरार्षट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। B.Ed की छात्र छात्राओं ने लघु नाटिका के माध्यम से भ्रूण हत्या, बालक बालिकाओं में भेदभाव, स्ट्रीट उत्पीड़न ,एसिड अटैक जैसे मुद्दे पर एक लघु नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया। लघु नाटिका में एसिड अटैक का दृश्य देखकर दर्शक दीर्घा एवं सभी अतिथि इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखें नम हो गई ।सौम्या सिंह ने नारी के स्वरूप को एक कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया, सौम्या मिश्रा के द्वारा महिला सशक्तिकरण पर एक भाषण प्रस्तुत किया गया इसी के साथ महाविद्यालय की छात्राओं ने कविता भाषण लघु नाटिका आदि कार्यक्रम प्रस्तुत कर महिला दिवस के महत्व को बताया ।आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही वर्षा सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा परिवार मैं, समाज में ,और कार्यस्थल पर नारी की राय को महत्व दिया जाए ।मुख्य अतिथि डॉ अनीता मिश्रा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 2003 के बाद महिला के प्रति समाज की सोच और नजरिए में गजब का सकारात्मक बदलाव आया है ,लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि नारी पुरुष के समान हो गई है अभी यह लड़ाई काफी लंबी चलनी है ।विशिष्ट अतिथि श्रीमती संध्या पांडे जी ने अपने उद्बोधन में कहा 'आज की नारी सब पर भारी, और एक कविता के माध्यम से उन्होंने बताया कि नारी को शिक्षित कीजिए ,क्योंकि शिक्षा ही महिला सशक्तिकरण की प्रथम और मूलभूत आवश्यकता है ।विशिष्ट अतिथि श्रीमती गुंजन शाह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण का यह दिन हमें एक ऐसा मौका देता है जब हमें महिलाओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित उपलब्धियों की सराहना करनी चाहिए और जो कमी है उसे पूरा करने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉक्टर चमन कौर जी ने बताया कि आज का दिन यह संकल्प लेने का दिन है कि महिला अपनी शक्ति को, अपनी सामर्थ्य को समझे ,एक होकर, एक साथ खड़े होकर स्वयं को वह सम्मान दिलाए ,जो वास्तव में उसके लिए बना है ।जिसकी वास्तव में वह हकदार है ।कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर रविंद्र कुमार पांडे जी ने अपने उद्बोधन में कहा की सारी शक्तियां महिलाओं के पास हैं ।नारी एक बहन है ,एक बेटी है ,एक पत्नी है, एक मां है ,हमें नारी के हर स्वरूप का आदर करना चाहिए।

09 मार्च	**गो पर्पल**	'गो पर्पल' कैम्पेन के अन्तर्गत सोशल मीडिया पर अपनी फोटो अपलोड करने के लिए प्रेरित किया गया। #GoPurple
10 मार्च	**हेल्थवॉच**	इस कार्यक्रम के अन्तर्गत शहर की महिलाओं को महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने और स्वच्छता के प्रति जागरुकता के साथ संक्रमण की बीमारियों से बचाव के उपाय बताये। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं को इस संबंध में जानकारी दी गयी।

11 मार्च	**सुरक्षा वारियर्स**	इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं को महिला पुलिस द्वारा सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। उन्हें महिला हेल्पलाइन के उपयोग के बारे में बताते हुए संदिग्ध स्थानों की पहचान करने सतर्क एवं सावधान रहने को सजग किया गया।